20.04.2018

भव्य समारोह में प्रथम प्रिंट बिनाले इंडिया विजेता सम्मानित

ललित कला अकादेमी द्वारा आयोजित प्रथम प्रिंट द्विवार्षिकी भारत 2018 के भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में आज द्वी-स्तरीय चुनाव प्रक्रिया द्वारा चुने गए विजेताओं को सम्मानित किया गया. माननीय संस्कृति मंत्री **डॉ. महेश शर्मा** जी किन्हीं कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो सके. उनके द्वारा भेजे गए शुभकामना सन्देश को डॉ. पॉला सेनगुप्ता द्वारा पढ़ा गया- "ललित कला अकादेमी द्वारा कला की प्रिंटमेकिंग विधा को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करते देख मुझे बेहद ख़ुशी हो रही है. बिनाले में प्रदर्शित सभी प्रिंट्स प्रशंसनीय हैं और अकादेमी द्वारा कला की समकालीन गतिविधियों से कलाप्रेमियों को जागरूक रखने का प्रयास अतुलनीय है. मैं इस बिनाले के माध्यम से समकालीन कलाकारों के उत्साहवर्धन हेतु अकादेमी को शुभकामनाएं देता हूँ. साथ ही सभी विजेताओं को बहुत बधाई देता हूँ"

कार्यक्रम के अवसर पर बोलते हुए विशिष्ट अतिथि सु**श्री सुजाता प्रसाद**, अपर सचिव, संस्कृति मंत्रालय, ने कहा, "मुझे आज यहां आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है. जूरी सदस्यों द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्य की मैं खुले हृदय से प्रशंसा करती हूँ. बिनाले में प्रदर्शित सभी प्रिंट विविधता और रोचकता से परिपूर्ण हैं. मैं ललित कला अकादेमी को इस बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई देती हूँ, साथ ही सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को भी मेरी शुभकामनाएं देती हूँ."

समारोह को सम्बोधित करते हुए अकादेमी के तदर्थ अध्यक्ष **श्री एम.एल. श्रीवास्तव** ने कहा, "प्रथम प्रिंट बिनाले इंडिया ललित कला अकादेमी द्वारा दृश्य कला की इस महत्वपूर्ण लेकिन कम मशहूर विधा, जो कि प्रिंटमेकिंग है, को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उसकी पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस आयोजन ने वैश्विक स्तर पर कलाकारों और कला प्रेमियों में प्रिंटमेकिंग के प्रति रूचि वापस जगाई है. और मैं इसके लिए तत्कालीन प्रशासक श्री सी.एस.

कृष्ण सेट्टी, बिनाले की कमिश्नर सुश्री अनुपम सूद, स्टीयरिंग समिति के सदस्यों का धन्यवाद करता हूँ, और सभी विजेताओं, माननीय उल्लेख से सम्मानित प्रिंटमेकर्स और प्रतिभागियों को बधाई देता हूँ."

मुख्य अतिथि सुश्री सुजाता प्रसाद ने इस अवसर पर 'प्रथम प्रिंट द्विवार्षिकी भारत' कैटलॉग और मेडेलियन जारी किया और विजेताओं को 2 लाख रूपए पुरस्कार-राशी के साथ मेडालियन और प्रमाण पत्र प्रदान किये. साथ ही कार्यकर्म में मौजूद माननीय उल्लेख से नवाज़े गए प्रिंटमेकर्स को भी मेडालियन और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया.

अरूप कुमार कुइटी (आंध्रप्रदेश), **सत्य नारायण गवरा** (आंध्रप्रदेश), **प्रेया भगत** (उत्तर प्रदेश), **पूर्वी परमार** (गुजरात) और **सोनल वार्ष्णेय** (उत्तर प्रदेश) पुरस्कार विजेता प्रिंटमेकर्स में शामिल रहे. जूरी पैनल ने बिनाले के 8 प्रतिभागी कलाकारों को माननीय उल्लेख के लिए चुना गया जिनमें **उर्मी रॉय** (बांग्लादेश), **सीमा शर्मा** (नेपाल), **जगदीश तामिनेनी** (भारत), **श्रीनिवास पुलागम** (भारत), **अरुण कुमार मौर्य** (भारत), **श्रीपद अमृत गुरव** (भारत), **उमा शंकर शाह** (नेपाल) और **यूने ज़िलायते** (लिथुआनिया) शामिल रहें.

समारोह के दौरान माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. शर्मा जी ने प्रथम प्रिंट बिनाले इंडिया 2018 का कैटलॉग भी जारी किया. **पंडित विश्व मोहन भट्ट** (पद्म भूषण) के मोहन वीणा वादन और **मनीषा गुलिया नी** की मनमोहक कत्थक प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों, कलाकारों और कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया. पुरस्कार वितरण समारोह में प्रिंट बिनाले इंडिया स्टीयरिंग समिति की कमिश्नर **अनुपम सूद**, एवं समिति के सदस्यों **आनंद मॉय बैनर्जी, दत्तात्रेय आप्टे, आर.एस. शाम सुन्दर, डॉ. पॉला सेनगुप्ता** और **विजय बगोड़ी** की गरिमामय उपस्थिति रही. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कलाप्रेमी मौजूद रहे.

कार्यक्रम के सुबह के सत्र में श्री एम.एल. श्रीवास्तव, अध्यक्ष, ललित कला अकादेमी ने साहित्य अकादेमी सभागार में एक लेक्चर श्रृंखला का उद्घाटन किया

जिसमें **कविता शाह, जयति मुख़र्जी, लीना विन्सेंट सुनिश, अर्पण मुखर्जी** और **डॉ. पॉला सेनगुप्ता** ने कला की प्रिंट विधा के ऐतिहासिक महत्व एवं समकालीन संभावनाओं पर श्रोताओं के समक्ष अपने विचार रखे. क्यूरेटर **अमित मुखोपाध्याय** ने 'एटेलिअर पोप्युलेयर' विषय पर व्याख्यान दिया.

प्रथम प्रिंट बिनाले द्विवार्षिकी भारत में सं.रा.अ., यूनाइटे ड किंगडम, श्रीलंका, इटली, मैक्सिको, चीन, इज़रायल, स्वीडन, लिथुआनिया, पोलैंड, अर्जेंटीना, ग्रीस, नेपाल, बांग्लादेश और मॉरिशस के प्रिंटमे कर्स शामिल हैं. प्रथम-स्तरीय जूरी, जिसमें प्रसिद्द कलाकार मार्टिन किंग (ऑस्ट्रेलिया), मोनिरुल इस्लाम (बांग्लादेश) और युसुफ़ (भारत) थे, ने दुनियाभर के 415 प्रिंटमे कर्स (364 भारतीय एवं 51 विदेशी) की 1126 प्रविष्टियों में से 177 प्रिंट्स को बिनाले में प्रदर्शित करने के लिए चुना. वास्वो एक्स. वास्वो (यू.एस.), लक्ष्मा गौड़ (भारत) और शिरीष वी. मित्बावकर जैसे प्रख्यात कलाकारों से संगठित द्वितीय-स्तरीय की जूरी ने 153 प्रिंटमेकर्स में से 5 कलाकारों को पुरस्कार जबकि 8 को माननीय उल्लेख हेतु चयनित किया.